

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

प्रभु ने जो तुम्हें प्रदान किया है, उसके लिए उनका सदैव आभार मांनें, जो प्राप्त है, उसे ही जब आप पर्वान समझने लग जाएंगे तो निश्चित तौर पर जीवन के कई तनाव खत्म हो जाएंगे. आज दिखावे की दुनिया में कई लोग दिखावा करने के बाद जिंदगी भर परेशान रहते हैं और वह सदा तनाव में रहते हैं. जीवन की असली खुशियां संतोष में हैं. यह मरते दम तक किसी की समझ में नहीं आता है. अतः संतोषी बने और खुश रहना सीखें.



मुंबई-सांगली को आराध्यदेव श्री गणपति पंचायतन संस्थान में गणेशोत्सव की एक आरती ने पटवर्धन राजघराने के भीतर चल रहे उत्तराधिकार के विवाद को फिर सार्वजनिक कर दिया है. यह आरती पटवर्धन राज घराने की सबसे बड़ी बेटी एवं अभिनेत्री भाग्यश्री द्वारा की गई थी. इस विवाद को समझने के लिए पहले परिवार के रिश्तों और संस्थान की धार्मिक परंपरा को समझना जरूरी है. आरती करने वाली अभिनेत्री भाग्यश्री पटवर्धन, सांगली संस्थान के प्रमुख श्रीमंत विजयसिंहराजे पटवर्धन की सबसे बड़ी बेटी हैं. वहीं आदित्यराजे पटवर्धन विजयसिंहराजे के दत्तक पुत्र और घोषित युवराज यानी उत्तराधिकारी हैं. विजयसिंहराजे ने स्पष्ट किया है कि संस्थान की गद्दी के उत्तराधिकारी के रूप में आदित्यराजे ही उनकी पसंद हैं. गणेश चतुर्थी के अवसर पर सांगली के ऐतिहासिक गणपति मंदिर में उत्सवमूर्ति भगवान गणेश की प्रतिष्ठापना से पहले आरती होनी थी. इस धार्मिक विधि में युवराज आदित्यराजे को शामिल होना था.

इसी दौरान भाग्यश्री मंदिर पहुंची और उन्होंने गर्भगृह में जाकर आरती कर दी. इसके बाद संस्थान के प्रबंधन और भाग्यश्री के बीच कहासुनी की खबर सामने आई. कुछ ही देर में मामला मंदिर की आरती से निकलकर परिवार के उत्तराधिकार तक पहुंच गया. भाग्यश्री का कहना है कि वह इस मंदिर और परिवार की गणेशोत्सव परंपरा से बचपन से जुड़ी रही हैं.

नागपुर पर्यटन जिला, आर्थिक मजबूती मिलेगी

मैग्नेट 2 किसानों को उनकी उपज का दिलाएगा शानदार मार्केट, आर्थिक लाभ मिलेगा-रावल

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर मुंबई/नागपुर- राज्य सरकार के दो फैसले से किसानों के साथ ही नागपुर को पर्यटन जिला घोषित करने से बड़े पैमाने पर निधि मिलकर विकास के साथ ही रोजगार की अपार संभावनाएं बनेंगी. हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा. नागपुर को राज्य सरकार ने यह सौगात देते हुए बड़ा फैसला लिया है. राज्य की पर्यटन नीति के तहत लाभ के साथ ही बड़े पैमाने पर निधि देने का मार्ग प्रशस्त हो गया है. इससे विदर्भ के विकास को बड़ा बूस्ट मिलेगा.

इसी तरह किसानों के लिए भी खुश खबर है. मुंबई में 'मैग्नेट एग्रीबिजनेस इन्वेस्टर मीट' ऑर्गनाइज किया गया. एशियन डेवलपमेंट बैंक

के सपोर्ट से, हब-एंड-स्पोक मॉडल पर एग्रीकल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करके इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा दिया जाएगा. महाराष्ट्र के एग्रीबिजनेस सेक्टर में मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के मकसद से मंगलवार को मुंबई में 'मैग्नेट एग्रीबिजनेस इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टर मीट' ऑर्गनाइज किया गया.

इंडस्ट्रीज मिनिस्टर और महाराष्ट्र स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन, जयकुमार रावल ने उम्मीद जताई कि इस इनिशिएटिव से राज्य के एग्रीकल्चर सेक्टर में नए मौके बनेंगे. जयकुमार रावल के मुताबिक- क्वालिटी प्रोसेसिंग फैसिलिटी और मॉडर्न एग्रीबिजनेस इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट के साथ-साथ, मैग्नेट 2.0



प्रोजेक्ट का मेन मकसद किसानों को उनकी उपज के लिए एक बड़ा मार्केट देना है.

एशियन डेवलपमेंट बैंक के साथ मिलकर, महाराष्ट्र एग्री-बिजनेस नेटवर्क फल, हल्दी, अदरक और कटहल जैसे खेती के प्रोडक्ट्स के लिए प्रोडक्शन से लेकर प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट तक एक इंटीग्रेटेड वैल्यू चेन बना रहा है. मैग्नेट

2.0 के तहत, महाराष्ट्र राज्य में हब-एंड-स्पोक मॉडल पर आधारित एग्री-बिजनेस इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा. यह सिस्टम खेती के प्रोडक्ट्स के कलेक्शन, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग को आसान बनाने की कोशिश करेगा. इससे फसल का नुकसान कम होने और किसानों का प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज और एक्सपोर्टर्स से जोड़ने में मदद मिलने की उम्मीद है. पूरी वैल्यू चेन को मजबूत करने से खेती के प्रोडक्ट्स के लिए एक बेहतर मार्केट सिस्टम बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा. इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस में एग्री-बिजनेस, फूड प्रोसेसिंग, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स और स्टार्टअप सेक्टर के 200 से ज्यादा रिप्रेजेंटेटिव्स के शामिल होने की उम्मीद है.

जीवन आठवले होंगे सेवा से बर्खास्त

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर अमरावती- घरकुल में गड़बड़ी के मामले में जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यम गांधी ने सख्त पहल की है. पुराने मकान की मरम्मत कर घरकुल का लाभ लेने के मामले में गड़बड़ी उजागर होने के चलते अंजनगांव सुजी पंचायत समिति में ग्रामीण गृहनिर्माण संविदा अभियंता जीवन आठवले को बर्खास्त करने और उनके खिलाफ फौजदारी मामला दर्ज करने के निर्देश दिए हैं. मंगलवार शाम की गई इस कार्रवाई से अंजनगांव सुजी समेत जिले में खलबली मच गई है.

जानकारी के मुताबिक कुंभारगांव के शिकायतकर्ता ज्ञानदीप बारबे और प्रवीण मालगे ने योजना में कथित गड़बड़ी की शिकायत के खिलाफ आंदोलन और अनशन किया था. उनके लगातार पत्राचार के बाद उच्चस्तर पर जांच के बाद गड़बड़ी दिखाई दी. मामले में आठवले के साथ ही ग्राम रोजगार सहायक की भूमिका पर भी गंभीर आपत्तियां दर्ज की गईं. बीडीओ नक्रनाथ डापके ने संताराम शिंदे को मामले की जांच सौंपी थी. उनकी रिपोर्ट पर जीवन आठवले के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई. कार्रवाई से भ्रष्टाचारियों में भय है.

रियल होलसेल शोल्डर की रियल सेल

श्रद्धा बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी पर साव 10% से 60% तक की छूट की

■ 2 ग माला, तखतमल ईस्टेट, अमरावती.
■ L4 बिजिलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

शुक्रवार | शनिवार | रविवार

लगभग आधी किमते

फ्रेश स्टॉक डायरेक्ट फैक्टरी

सेल आराधना®

होलसेल शॉपिंग मॉल

• वतारसी शातू • डिझायनर साड्या • घाघरा ओढवी • सतवार सुट
• इस मटेरियल • रेडीमेड कोट • सुटिंग-शर्टिंग • टिबेज वेअर • किड्स वेअर

जवाहर रोड, अमरावती. ☎ 2574594

L-2, बिझीलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

मानव ही है वन्यजीवों के साथ संघर्ष का कारण

मानव जीवन में बिना पर्यावरण के रहना संभव नहीं है। लेकिन यह दुर्भाग्य की बात है कि इंसान ने सदैव अपने स्वार्थ में पर्यावरण को चोट पहुंचाई है। बढ़ती आबादी के कारण जिस तरह से पहाड़ों और जंगलों के किनारे भी कॉलोनी और नगर बस रहे हैं, ऐसे में वन्यजीव कहां जाएं, यह सबसे बड़ा सवाल है। पिछले कुछ वर्षों से रिहायशी इलाकों में जिस तरह से वन्यजीवों तेंदुआ, बाघ और सियार भी आ रहे हैं और कई बार मानव के साथ संघर्ष की स्थिति बन रही है, वह निश्चित ही भविष्य के लिए भी खतरनाक संकेत है। समय रहते अगर ध्यान नहीं दिया गया तो यह गंभीर संकट बनने से इंकार नहीं किया जा सकता है। अमरावती शहर सहित जिले में पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से बाघ, तेंदुआ और अन्य वन्यजीवों से खतरा बढ़ रहा है उसके चलते जहां आम आदमी भयभीत है वहीं शहर में बड़े पैमाने पर इन खतरनाक वन्य जीवों का आगमन मानव जीवन के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर वन्य जीव शहर तथा आसपास के इलाके में क्यों आ रहे हैं इसका बारीकी से अध्ययन करते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है। वन्यजीवों के नाम पर एआई से बनी बाघ की फोटो बनाकर दहशत फैलाने के मामले में वन विभाग की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दहशत के कारण जहां किसान तथा खेतिहर मजदूर काम करने के लिए नहीं आ रहे हैं, जंगल और मानव बस्तियों के बीच बढ़ता टकराव अब चिंता का विषय बनता जा रहा है। वन्यजीवों का प्राकृतिक अधिवास सिकड़ने, जंगलों के आसपास बढ़ती मानवीय गतिविधियों और भोजन-पानी की तलाश में वन्यजीवों के आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने से खतरा बढ़ रहा है। अमरावती जिले का बड़ा हिस्सा वन क्षेत्र और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास से जुड़ा है। ऐसे में वन्यजीवों का संरक्षण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि मानव बस्तियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए। किसी वन्यजीव के आबादी में आने के बाद ही प्रशासन सक्रिय हो, यह व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। वन्यजीवों की आवाजाही वाले संवेदनशील क्षेत्रों की पहले से पहचान, नियमित निगरानी और त्वरित बचाव व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता है। वन्यजीवों को दोषी ठहराने के बजाय उनके आवास और प्राकृतिक गलियारों को सुरक्षित रखना होगा। जंगलों में पानी और भोजन की उपलब्धता बढ़ाने, अवैध शिकार तथा जंगलों में अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण रखने से मानव-वन्यजीव संघर्ष को काफी हद तक कम किया जा सकता है। साथ ही ग्रामीणों को वन्यजीवों से बचाव के सुरक्षित उपायों की जानकारी देना भी आवश्यक है। वन्यजीव प्रकृति के दुश्मन नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन के महत्वपूर्ण अंग हैं।

सभी को सदबुद्धि दो गणनायक



विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199



गणेशोत्सव की सभी भाविकों को हार्दिक शुभकामनाएं। 14 से आरंभ होकर गणेशोत्सव शुरू हो गया है। स्वयं रिद्धि-सिद्धि तथा सदबुद्धि प्रदाता गणेशजी के आगमन की खुशी में वरुण देवता ने 13 सितंबर को जोरदार बारिश के साथ जहां स्वागत किया, वहीं अंबानगरी तथा पूरा जिला ही गणेशोत्सव की खुशियों में डूब रहा है। शहर का यह दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि जिस अमरावती शहर की ख्याति शांतिपूर्ण, व्यवस्थित नगरी के रूप में होता था, आए दिन होने वाले मंडर और 200 घुमंतुओं ने लोगों को यह सवाल करने के लिए विवश किया है कि आखिर यहां पुलिस, मनपा प्रशासन अथवा जनप्रतिनिधि हैं या नहीं। लेकिन इसके लिए गलत लोगों को चुनने वाले मतदाता भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते हैं। खेच विघ्नहर्ता नेताओं को बुद्धि दें और शहर तथा जिले को संवारने के लिए वह कुछ करें।

गणेश उत्सव आरंभ हो रहा है। यह पर्व जहां हमें खुशियां देता है वहीं रिद्धि सिद्धि के दाता भगवान गणेश की आराधना के साथ सामाजिक दायित्व की भावना का भी एहसास कराता है। मानव प्रेम, पर्यावरण संतुलन के साथ अगर हम हर मामले में सतर्क रहे तो सही मायने में गणेश उत्सव खुशियों के साथ ही जिम्मेदारी का उत्सव भी बन सकता है। अमरावती जिला ग्रामीण में 1509 गणेश मंडलों ने गणेश उत्सव

नहीं रहना चाहिए। उत्सव के माध्यम से समाज प्रबोधन, सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और सेवाभाव को बढ़ावा मिलना चाहिए। मंडलों को आकर्षक झांकियों के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, नशामर्ति, महिला सुरक्षा और पर्यावरण जैसे विषयों पर भी जनजागृति करनी चाहिए। विसर्जन के समय प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती होती है। यातायात व्यवस्था, भीड़ का नियोजन, कृत्रिम विसर्जन तालाब, नदी-तालाबों का प्रदूषण, विद्युत व्यवस्था और सुरक्षा उपायों पर गंभीरता से ध्यान देना आवश्यक है। नागरिकों को भी प्रशासन का सहयोग करते हुए अनुशासित और पर्यावरणपूरक विसर्जन को प्राथमिकता देनी चाहिए। गणेशोत्सव पूरे समाज को एकजुट करने वाला पर्व है। इसलिए धार्मिक उत्साह के साथ सामाजिक सौहार्द और भाईचारा बनाए रखना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। ध्वनि प्रदूषण, अनावश्यक खर्च और दिखावे की प्रतिस्पर्धा से बचते हुए उत्सव को रचनात्मक दिशा देना जरूरी है। वर्तमान में ग्राम पंचायत से लेकर दिल्ली तक सभी यंत्रणा भ्रष्टाचार, अनीति से लबालब है, ऐसे में सभी को प्रभु बुद्धि देकर नैतिकता और सदाकार्य करने की प्रेरणा दें, यही कामना करते हैं।

दिव्यांग सेवा में समर्पित हैं पंकज मुद्गल

जन्मदिन पर विशेष लेख

डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध विद्यालय के अधीनस्थ कार्यशाला में व्यवस्थापकीय अधीक्षक के रूप में नेत्रहीनों के जीवन में रोशनी लाने का काम करने वाले पंकज मुद्गल को अभी तक अनगिनत पुरस्कार मिल चुके हैं। उनके जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं। दिव्यांगों की सेवा को ही जीवन का लक्ष्य बनाने के साथ ही माता-पिता की आदर्श सीख, समाज की आगे बढ़ाने के लिए योगदान देने की खूबी जहां पंकज मुद्गल को थी वहीं यारों के यार के रूप में वह सभी मित्रों का चहेता। वह कहता है कि जो भी जिम्मेदारी हमें प्रभु ने सौंपी है, उसका सही तरीके से निर्वहन करने का प्रयास करना चाहिए। बाकी भगवान पर छोड़ देना चाहिए। डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध कर्मशाला के प्रबंधकीय अधीक्षक पंकज मुद्गल ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए एक बात कही। उनके मुताबिक देश के गौरव और विकास में हर व्यक्ति को योगदान देने का प्रयास करना चाहिए। इससे निश्चित ही भारत को महासत्ता बनने में समय नहीं लगेगा। अभी तक दिव्यांग सेवा के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित पंकज मुद्गल का पिछले दिनों सांसद सौ. नवनीत राणा और विधायक रवि राणा के हाथों मॉडल स्टेशन पर हुए समारोह में शानदार सत्कार किया गया। डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध विद्यालय के अंतर्गत कर्मशाला में व्यवस्थापकीय



जन्मदिन
हार्दिक शुभकामनाएं

अधीक्षक के रूप में सेवारत पंकज यारों का जितना दिलदार यार है, समाज और राष्ट्र के प्रति भी उतना ही जिम्मेदार व्यक्तित्व है। कोरोना महामारी के दौरान दिव्यांगों के साथ ही वरिष्ठों, बुजुर्गों की जिस तरह से सराहनीय सेवा उसने की, जरूरतमंदों को मदद दी। कोई भी व्यक्ति परिपूर्ण नहीं होता है। ऐसे में इंसान में कुछ कमियां हो सकती हैं लेकिन इंसानियत को परिपूर्ण भावना ही पंकज की सबसे बड़ी खूबी है। पिछले पंद्रह वर्षों से उसके साथ दोस्ती पर गर्व किया जा सकता है। उसके मुताबिक जब हम किसी को प्रेम और सम्मान देते हैं तो वही लौटकर और बढ़कर हमें मिलता है। जीवन में जितना हो सके, प्रेम बांटते रहना चाहिए। ऐसा करने वाले पर जीवन में कभी अकेला रहने की नौबत नहीं आती है। राष्ट्रीयता

की भावना से ओतप्रोत रहने वाले पंकज का कहना है कि राष्ट्र सबसे पहले हर व्यक्ति के लिए होना चाहिए। जाति, धर्म, पंथ से महत्वपूर्ण राष्ट्र है। आज हमारी सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे अपने जान की बाजी लगाकर सेना के जवान सीमा पर सेवा देते हैं। उनका त्याग सभी को सर्वोच्च मानना चाहिए। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां देवी-देवताओं का अवतार हुआ है। इतना ही नहीं तो यह ऐसा महान देश है, जहां सभी को मान, सम्मान है। इसीलिए भारत देश को महान कहा जाता है। यहां तिरंगे की छॉव में हर धर्म के पंथ के झंडे गौरव और सम्मान के साथ रहते हैं। जिला अपंग शिक्षक कर्मचारियों संगठन के जिलाध्यक्ष के रूप में भी पंकज मुद्गल विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए भी प्रयास करते हैं। अभी तक कई समस्याओं का निराकरण करवाने में भी सफल रहा है। उसके मुताबिक हमारे अच्छे-बुरे कर्मों का हिसाब होना तय है, ऐसे में सभी को राष्ट्र के प्रति समर्पित रहते हुए बेहतरीन कर्म करने और स्वयं के साथ राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान देने का प्रयास करना चाहिए। कर्मठता, यारों का यार तथा सभी को मदद को तत्पर पंकज मुद्गल की सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना। अंत में

संघर्ष की राहों पर जो चलते जाते हैं,

वही इतिहास में अपना नाम लिखते हैं।

ऐसे कर्मठ युवा सेवा को जन्मदिन का प्रणाम,

भविष्य हो उज्ज्वल, बड़े समाज का मान।

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय, छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती में प्रकाशित किया गया है। मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189. अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र, साहित्य, लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं। इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सी. वीणा सुभाषचंद्र दुबे. Email-vidarbhaswabhiman@gmail.com. www.vidrabhswabhiman.com. rni. no MAHHIN/2010/ 43881

जीआरडीसी की गणेशोत्सव में मरीजों की रियायती शुल्क में जांच

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर

अमरावती-घुडियाला रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गणेशोत्सव के दौरान आम नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 14 से 24 सितंबर 2026 तक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया है। इसमें मानवता को समर्पित केन्द्र द्वारा मरीजों की हर प्रकार की जांच रियायती दरों में की जा रही है। इसे मरीजों का व्यापक प्रतिसाद मिल रहा है। संचालक डॉ. पंकज घुडियाल के मुताबिक मरीजों की दुवाओं के कारण ही केन्द्र आज राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर आधुनिकतम जांच मशीनों के माध्यम से सेवाएं दे रहा है। इसका सभी से लाभ लेने का आग्रह किया गया है। इस सेवाभावी पहल का उद्देश्य विभिन्न गंभीर बीमारियों की

25 वर्ष की सेवा का संकल्प, स्वास्थ्य के प्रति सेवाभावी पहल, मरीजों की गंभीर बीमारियों की जांच भी कम से कम शुल्क में जारी

समय रहते जांच और स्वास्थ्य के प्रति जनजागृति बढ़ाना है। मरीजों के साथ ही महिलाओं से भी इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

शिविर में दोनों ब्रेस्ट की डिजिटल मैमोग्राफी, सोनोमैमोग्राफी और शियरवेव इलास्टोग्राफी की सुविधा मात्र 2,000 में उपलब्ध होगी। इसके माध्यम से ब्रेस्ट से जुड़ी असामान्यताओं की जांच में मदद मिलेगी। इसी तरह सिर से पैर तक पूरे शरीर का एडवांस्ड एमआरआई स्कैन मात्र 12,000 में किया जाएगा। शरीर के विभिन्न हिस्सों में संभावित



संरचनात्मक असामान्यताओं या बीमारी की पहचान में यह जांच उपयोगी हो सकती है।

हृदय की कैल्शियम स्कोरिंग भी 3,000 में उपलब्ध होगी। इससे

कोरोनरी धमनियों में कैल्शियम जमा होने की मात्रा का आकलन कर हृदय संबंधी जोखिम का अनुमान लगाने में चिकित्सकों को मदद मिलती है।

इसके अलावा फेटी लिवर, लिवर फाइब्रोसिस/सिरोसिस तथा पोर्टल हाइपरटेंशन जैसी स्थितियों के मूल्यांकन के लिए पोर्टल वेन क्लर डॉपलर के साथ लिवर शियरवेव इलास्टोग्राफी की सुविधा मात्र 12,000 में दी जाएगी। घुडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर की यह पहल स्वास्थ्य जांच, समय पर पहचान और बेहतर स्वास्थ्य के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाली सेवाभावी पहल

है। नागरिक अपने तथा अपने प्रियजनों के लिए जांच की जानकारी और अपॉइंटमेंट हेतु संपर्क कर सकते हैं। अमरावती में किसी केन्द्र द्वारा पहली बार गणेशोत्सव के पावन पर्व पर इस तरह का रियायती जांच शिविर का आयोजन किया गया है। दस दिनों तक जारी रहने वाले शिविर में पंजीयन कराते हुए स्वास्थ्य जांच करवाने का आग्रह किया गया है। इस बारे में अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क: मैनेजर गजेन्द्र: 9420727827 उज्ज्वला: 7350555388 अंकुश: 8999225826 यशस्वी: 8010267625 से संपर्क करने का आग्रह केन्द्र द्वारा किया गया है। इसके लिए डॉ. पंकज घुडियाल की सराहना हो रही है।

पिंपलखुटा में स्वास्थ्य जांच शिविर, सैकड़ों ने लिया लाभ

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर

अमरावती-सामाजिक कार्यों में सदा अग्रणी रहने वाले महाराष्ट्र होमियो डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा पिंपलखुटा में शंकरबाबा के आश्रम में स्वास्थ्य जांच शिविर लिया गया। संगठन की अध्यक्ष डॉ. स्वाती लबड़े-पडोले की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में आश्रम के ट्रस्टी दांगत ने शिविर का उद्घाटन किया।

डॉक्टर्स एसोसिएशन के सचिव डॉ. नंदकिशोर भुतड़ा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. विकास निनावे, डॉ. चंदा निभोरकर, डॉ. प्रीति वर्मा के साथ ही प्रचार प्रमुख तथा सेवाभावी डॉ. वैशाली टेंबे सहित अन्य उपस्थित थे। सर्वप्रथम शंकरबाबा

महाराष्ट्र होमियो डॉक्टर्स एसोसिएशन की सामाजिक पहल



महाराज का दर्शन कर शिविर की शुरूवात की गई। आश्रम के कृषि महाविद्यालय के दीपक बोंद्रे, राऊत, अनंत डुमरे सहित छात्र, शिक्षक उपस्थित थे। हर साल की तरह श्रीसंत शंकर महाराज का 82वां प्रकट दिन महोत्सव पर यह शिविर लिया गया। ग्रामवासियों ने जहां इसकी सराहना की, वहीं जांच के साथ ही होमियोपैथी दवाईयों का वितरण भी मरीजों को किया गया। शिविर में मरीजों को बरती जाने वाली स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की भी जानकारी दी गई। संगठन द्वारा यहां आयोजित शिविर के लिए आश्रम के साथ ही गांववासियों ने भी संगठन की सराहना कर आभार माना।

भागलपुर के लाल अभिषेक गौरव ने रचा इतिहास

भागलपुर-प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'श्री अन्न' (मोटे अनाज) के राष्ट्रीय अभियान को वैज्ञानिक धरातल पर नई ऊंचाई देते हुए सिल्क सिटी भागलपुर के होनहार लाल ने अकादमिक जगत में इतिहास रच दिया है। शहर के भीखनपुर गमटी नंबर-2 के रहने वाले अभिषेक गौरव ने देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान एनआईटी राउरकेला से मिलेट्स पर अपना उच्चस्तरीय शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। अभिषेक ने इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण अभियांत्रिकी (फूड प्रोसेस इंजीनियरिंग) के क्षेत्र में मिलेट्स पर पीएचडी उपाधि अर्जित करने वाले 'बिहार के पहले स्कॉलर' होने का गौरव हासिल किया है।

राजपुराहीत
फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी	इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी	
HD व्हिडीओ शूटिंग	इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटिंग	ड्रोन शूट
फोटो अलबम	मोबाईल प्रिंटिंग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

Wishing a very Happy Birthday to
HON'BLE PRIME MINISTER OF INDIA
Shri Narendra Modi Ji

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान अखबार, सर्वेश दुबे तथा आनंद परिवार, बडनेरा

लक्ष्मी को लेकर हरि का कोल्हापर में तप करना

उसके बाद वेंकटद्वि के नायक श्री वेंकटेश्वर प्रातःकाल ही उठ कर, सुवर्ण वस्त्रों से, भूषणों से सुसजित होकर गरुड़ जैसे घोड़े पर सवार होकर 'वहाँ होकर आऊँगा' ऐसा पद्यावली को मनाकर, बाद में जननी वकुला से तथा बराह स्वामी को बताकर आनंद के साथ निकल पड़े। शीघ्र ही करवीरपुर पहुँचकर वहाँ पर लक्ष्मी के मंदिर में रहनेवाले भवन में पहुँच गए। उस भवन में लक्ष्मी की खोज की। वहाँ पर लक्ष्मी दिखाई नहीं पड़ी। इससे श्रीनिवास को बड़ी चिंता हुई। दुखी होकर व्याकुलता में श्रीनिवास को कुछ नहीं सूझा। आँखों से आँसू बहाने लगे। कामांतर होकर लक्ष्मी की खोज बार-बार करने लगे। दीनता में सोच में पड़ गए। 'अहो ! मूढ़ पर बिना किसी मोह के लक्ष्मी इतने दिन यहाँ रहकर अब जाकर कहाँ छिप गयी है ? मैं और उसके लिए कहाँ-कहाँ खोज करूँ ?' इस रूप में सोचते चिंता करते हुए वहाँ रह नहीं सके। वहाँ से निकलकर पहाड़ों के पास जाकर उन्हें देखते हुए इस रूप में कहा, 'हे गिरिवर ! हे वृक्ष ! हे किन्नरोंनाएँ ! मेरी लक्ष्मी को जानते हैं ? वह कहाँ है ? हे कर ! हे भील वीर ! यहाँ लक्ष्मी को देखा है ? हे सुर ! हे मुनिवर ! हे मनुष्य ! आपने कहीं देखा है मेरी लक्ष्मी को ? मुझे धोखा देकर वह कहीं छिप गयी। उसे देखे बिना मैं अब रह नहीं सकता हूँ। इसलिए जिसने श्री कांता को देखा है मुझे दिखाइए।' हरि की इन बातों को सुनकर उन्होंने इस रूप में कहा, 'हे देव ! देव ! महात्मा ! वे इन दिशाओं में नहीं आयी हैं। वे कहाँ है यह स्पष्ट रूप में हम नहीं

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है। कलयुग के देवता भगवान् वेंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं। पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान् वेंकटेश्वर की कथा यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं। हर गुरुवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है। निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं। तिरूमल तिरूपति देवस्थानम् तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है। जय गोविंदा, जय गोविंदा, डिजिटल संस्करण

www.vidarbhsrabhiman.com/9423426199

जानते हैं। तब आपको कैसे बता सकते हैं ? हे शेषगिरि वासा ! यह सुनकर श्रीनिवास चारों दिशाओं में

देखने लगे। इस रूप में कुछ समय तक चिंता करते हुए फिर से कोल्हापुर पहुँच गए। वहाँ लक्ष्मी के एक अर्चा रूप को तैयार करवाकर, पूर्व में अगत्य के द्वारा पूजित लक्ष्मी विग्रह को देखकर, कस्या से वहीं रहते हुए उस महालक्ष्मी के विग्रह की पूजा करने लगे। इस रूप में दस वर्षों तक तप करते रहे। तब एक दिन लक्ष्मी का स्मरण करते-करते श्रीनिवास अधिक चिंताग्रस्त हुए। तब अशरीरवाणी ने अद्भुत रूप में हरि को उद्देश्य करके इस रूप में कहा।

अशरीर वाणी के बचन

'हे देव ! आपको इस तप से रमा देवी संतुष्ट होकर यहाँ पर

आप को दिखाई नहीं पड़ेगी। इसलिए यहाँ से ठीक दक्षिण की दिशा में प्रसिद्ध प्रदेश में कृष्णा नामक नदी बहती है। उसके द्वाविंशति योजन दूरी पर सुवर्णमुखी नामक नदी बहती है। उस नदी के उत्तर तट पर खड़े होकर तापसी बनकर कुंभसंभव के पूरब में रहनेवाले सिद्ध स्थल पर स्वर्ग में रहनेवाले एक सुवर्ण कमल को मंगाकर वहाँ पर गाढ़ना चाहिए। उस पौधे के पूरब दिशा में दिवाकर के लिए मंदिर बनाकर उन्हें उसमें प्रतिष्ठा करके पूजा करने से वह कमल अत्यंत शोभा के साथ खिल उठेगा। तुम उस कमल पर दृष्टि केंद्रित करके निष्ठा गरिष्ठ बनकर रमा सति की उपासना करो। उन्हें समनों को समर्पित करके पूजा करते रहो। तब देवी प्रसन्न होकर तुम्हारे हृदय पर अलंकृत होगी। हे अच्युत ! अब तुम यहाँ से जाओ। बारह वर्षों तक मन को श्रीसति पर ही



केंद्रित करके, मौन रूप में हे महात्मा ! लक्ष्मी मंत्र को निष्ठा के साथ जप करते रहो। भारती देवी ने ऐसा अशरीर वाणी के रूप में बताया। सुनकर चक्रों ने विचित्र ढंग से नेत्र खोल कर चारों दिशाओं में देखा। उन्हें कोई दिखाई नहीं पड़ा। 'शायद यह गगनवाणी ने कहा। यह सत्य है।' कहते उठकर गरुड़ वाहन पर

आरूढ़ होकर सही मार्ग से शेषाचल पर पहुँच गये। वेश बदल कर राज-वेश धारण कर लिया। पुष्करिणी में स्नान संध्यादि कृत्यों को पूरा करके वैखानसाचार्य की पूजा की। उन्हें दिव्यान्न समर्पित किया साथ ही उपहार भी दिए। उसने 'दया रखिए' ऐसा कहते विष्णु को आशीर्वाद दिया।

अपनेपन के सागर हैं डॉ.राजेश शर्मा

जन्मदिन पर विशेष, बड़े भाई के रूप में सदा रहता है आशिर्वाद

जीवन में कुछ लोगों का साथ और आशिर्वाद भी किसी भाग्य से कम नहीं रहता है। मेरे भी जीवन में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.राजेश शर्मा का महत्व ऐसा ही है। कठिनाई के दिनों से लेकर वर्तमान तक उन्होंने बड़े भाई का फर्ज जिस तरह से निभाया, हर मुश्किल के समय साथ और आशिर्वाद दिया, यह उनके व्यक्तित्व का सबसे सुंदर रूप है। मैं ही नहीं हजारों मरीजों को मदद अभी तक करने के बाद भी कभी बताते नहीं हैं। आज दुनिया का रूप बदल चुका है। स्वार्थ हर व्यक्ति में हावी होता है। संबंध केवल स्वार्थ पूर्ति का माध्यम बने हैं। लेकिन शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात बाल रोग विशेषज्ञ तथा यारों के दिलदार यार के रूप में अपनी सादगी के लिए सुख्यात डॉ. राजेश शर्मा इसके अपवाद हैं। सेवाभावी इतने हैं कि जीवन में केवल और केवल पैसे को ही कभी महत्व नहीं दिया। कई डाक्टरों के साथ मारपीट की जाती है, उन घटनाओं को देखने के बाद दोहरा विचार मन में आता है। आखिर जीवन बचाने वाले डाक्टरों के साथ इस तरह का रवैया समाज कैसे अपना सकता है। कोई भी डाक्टर शायद ही अपने किसी मरीज की जिंदगी नहीं



बचाने का प्रयास करे। आज जब स्वार्थ में सगे नाते-रिश्ते बेईमान हो जाते हैं तो ऐसे में डाक्टर द्वारा प्रयास करने के बाद भी अगर सफलता नहीं मिलती है तो इसके लिए उन्हें कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। कई लोग यह कहते हैं कि हमने पैसे दिया है। ऐसे लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि पैसे से अगर जिंदगी बड़ जाती तो बड़े लोग मरते ही नहीं थे। लेकिन प्रभु से बड़ा कोई नहीं हो सकता है। हर डाक्टर अपनी पूरी कोशिश मरीज को बचाने के लिए करता है। डॉ. शर्मा मानवता से ओतप्रोत डाक्टर हैं। गरीब मरीजों को मदद के लिए जहाँ सदैव तत्पर रहते हैं, वहीं अगर कोई दवाब डालने वाली हरकत

करता है तो वे कभी बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। पत्नी डॉ.प्रांजल शर्मा, पुत्र डॉ.अथर्व तथा बहु भी डाक्टर हैं। संस्कारों से युक्त यह परिवार अन्यों के लिए उदाहरण है।

स्वार्थ से परिपूर्ण दुनिया में किसी के प्रति दिल से सम्मान वाली बात बहुत कम दिखाई देती है। लेकिन आज भी दुनिया में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो तमाम उंचाईयों पर रहने के बाद भी अपनी विनम्रता, अपनी सादगी और सेवाभावी कामों में अपने समर्पण के लिए सदैव समाज में सम्मान पाते हैं। उनका कहना है कि प्रभु ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, यदि हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी का सही तरीके से निर्वहन करे तो निश्चित ही दुनिया का अलग रूप सामने नजर आएगा। वे कहते हैं कि हर व्यक्ति में कुछ न कुछ खूबी प्रभु देते हैं, उसे ही वह जब ताकत बनाता है तो तरक्की करता है।

वैद्यकीय क्षेत्र के साथ ही वे जीवन को केवल पैसे कमाने की मशीन नहीं मानते हैं। यही कारण है कि घुमने-फिरने के लिए भी समय निकाल लेते हैं। उन्हें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं।

बृहदिवसाच्या

हार्दिक शुभेच्छा..!




डॉ.राजेश शर्मा

जन्मदिन हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ.राजेश शर्मा मित्र परिवार, शर्मा हास्पिटल के सभी कर्मचारी तथा विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार, अमरावती.

कई रिकार्ड के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने राष्ट्र के अभिमान

जन्मदिन पर विशेष- विश्व पटल पर भारत की बढ़ती पहचान, बढ़ाया राष्ट्र प्रेम का भाव, सफलतम प्रधानमंत्री के रूप में हैं सर्वाधिक लोकप्रिय

भारत के मानबिंदु और सबसे अधिक समय तक देश के प्रधानमंत्री के रूप में देश का विश्वभर में गौरव बढ़ाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं. मित्रों से मित्र और शत्रु से उसी प्रकार निपटने के चलते ही उन्हें भारत के हर नागरिक में राष्ट्र प्रेम की भावना बढ़ाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई. भाजपा को जहां अपार लोकप्रिय किया, विश्व की पार्टी नंबर एक बनाया, वहीं विश्व के 36 राष्ट्र ने भारत के नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर देश का गौरव बढ़ाया. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्य ऐतिहासिक रहा है.

भारत की वैश्विक भूमिका बोते वर्षों में लगातार चर्चा के केंद्र में रही है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक विकास, डिजिटल तकनीक, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों को राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया है. 9 जून 2024 को नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली.

आत्मनिर्भर भारत की दिशा

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से विनिर्माण, तकनीक और देश में उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया गया. सेमीकंडक्टर,

रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों को भी नीतिगत प्रोत्साहन मिला है. 2026 में प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र को लेकर उद्योग जगत के प्रमुख लोगों के साथ बैठक भी की.

डिजिटल भारत की पहचान

भारत के डिजिटल परिवर्तन को भी मोदी सरकार के कार्यकाल की महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में देखा जाता है. डिजिटल भूतान, ऑनलाइन सरकारी सेवाओं और तकनीक आधारित सार्वजनिक व्यवस्थाओं ने आम नागरिकों और व्यवसायों के लिए नई संभावनाएं पैदा की हैं. मुंबई में 2026 के ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उद्घाटन भी इसी बदलते डिजिटल भारत की वैश्विक चर्चा का हिस्सा रहा.

भारत के संबंध बनाएं विश्वव्यापी- टिट फार टैट का जहां उन्होंने पाकिस्तान जैसे देशों को संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर विश्व में भारत सबसे महान लोकतंत्र रहने की भूमिका का निर्वहन करते हुए उन्होंने अनगिनत देशों के साथ भारत के मजबूत संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. सिंदूर ऑपरेशन के दौरान जिस तरह से अनगिनत देश भारत के साथ खड़े हुए, इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी को दिया जाना चाहिए. भारत की विदेश नीति में बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय भागीदारी बढ़ी है. जी-20 की भारत



की अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जैसी पहलों ने वैश्विक मंच पर भारत की पहलों को व्यापक पहचान दिलाई.

सामाजिक सरोकार-सरकार की नीतियों में गरीबों, महिलाओं, किसानों, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए विभिन्न योजनाओं पर जोर दिया गया है. उन्होंने जहां देश को विकास के मार्ग पर अग्रसर किया, वहीं घर सभी की जरूरत समझते हुए घरकुल योजना का लाभ सभी को समान रूप से देने का मानवीय कार्य किया. आज उनके कारण करोड़ों लोगों के खुद के घर का सपना साकार होने के कारण करोड़ों लोगों को उनकी दुवाएं हैं. इसके अलावा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रम इसी व्यापक नीति-ढांचे का हिस्सा हैं.

विकसित भारत का संकल्प

प्रधानमंत्री मोदी के वर्तमान सार्वजनिक एजेंडे में 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य प्रमुख है.

इस लक्ष्य के तहत अर्थव्यवस्था, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन के विकास पर जोर दिया जा रहा है. उनके कार्यकाल में भारत की आर्थिक, तकनीकी और कूटनीतिक प्राथमिकताओं को वैश्विक मंचों पर लगातार प्रमुखता मिली है. आने वाले वर्षों में इन नीतियों के वास्तविक

दीर्घकालीन परिणाम भारत की विकास यात्रा की दिशा को और स्पष्ट करेंगे. ऐसे महान नेतृत्व नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और तंदुरुस्त रहकर राष्ट्र की कई वर्षों तक सेवा करें, हम यही कामना करते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

सफलतम कारोबारियों में जैन समाज का बज रहा डंका

नई दिल्ली- इस समय जैन धर्म का सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण महापर्व पर्यषण पर्व चल रहा है, जो आत्म-शुद्धि, संयम और क्षमा का संदेश देता है. बात बिजनेस की करें तो भारत के बड़े कारोबारियों में जैन समुदाय की मौजूदगी काफी मजबूत रही है. ट्रेड, फार्मास्यूटिकल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कॉमिकल्स और मैनुफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में कई जैन उद्यमियों ने बड़े कारोबारी एम्पायर खड़े किए हैं. जैन समाज व्यवसाय के साथ हीसेबाभाव में भी सदैव अग्रणी रहा है. शांतिलाल मुथा जैसे अनगिनत जैन बंधु मानवता तथा राष्ट्र की सेवा के लिए सदा तत्पर रहते हैं. स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जैन समाज के व्यवसायी, समाजसेवियों का डंका बजना गौरव की बात है. समाज कम रहने के बाद भी दमदार है.

2025 की अमीर भारतीयों की लिस्ट और सार्वजनिक जानकारी के आधार पर गौतम अदाणी, दिलीप सांधवी, विवेक कुमार जैन, सत्यनारायण नवाल और दानी परिवार प्रमुख तौर अमीर जैन लोगों में दिखाई देते हैं. हालांकि, अलग-अलग सोर्सज में किसी व्यक्ति की जैन पहचान और नेटवर्क के आधार पर अंतर हो सकता है. गौतम अदाणी भारत के सबसे बड़े कारोबारी ग्रुपों में से एक, अदाणी ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन हैं. 1962 में अहमदाबाद के एक जैन परिवार में जन्म अदाणी ने युवावस्था में मुंबई जाकर हीरा ट्रेड में काम शुरू किया और बाद में कमोडिटी ट्रेडिंग से अपना कारोबार शुरू किया. इसके बाद अदाणी ग्रुप ने बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा, एयरपोर्ट्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य सेक्टर में विस्तार किया. इस समय उनकी नेटवर्थ 7.67 लाख करोड़ रुपये है.

गणेशोत्सव का उत्साह अंबानगरी तथा जिले में चरम पर

आरती में उमड़ रहे हैं हजारों भक्त, कहीं भजन तो कहीं हो रहे सुंदरकांड का पाठ

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर

अमरावती- शहर के साथ ही जिले में सैकड़ों गणेश मंडलों द्वारा विघ्नहर्ता की आराधना भक्तिभाव से की जा रही है. छाया कॉलोनी में अष्टविनायक गणेश मंडल ने जहां छाया कॉलोनी के राजा की स्थापना करते हुए गणेशोत्सव उत्साह तथा श्रद्धा से मना रहे हैं, वहीं यहीं माय फ्रेंड गणेश मंडल द्वारा भी विघ्नहर्ता की स्थापना के साथ ही पूजा-अर्चना की जा रही है. इसके चलते फल तथा फूल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो गई है. पुलिस शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयासरत हैं. गणेशोत्सव पर कई मंडलों में दर्शनार्थियों की भीड़ लगी है.

अमरावती में इन दिनों गणेशोत्सव का उत्साह चरम पर है. शहर के विभिन्न गणेश मंडलों और घरों में विघ्नहर्ता श्री गणेश की स्थापना के साथ भक्तिमय वातावरण बना हुआ है. 2026 में अमरावती शहर में करीब 590 स्थानों पर सार्वजनिक गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं, जबकि पूरे जिले में 2,109 सार्वजनिक मंडलों द्वारा गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. अमरावती



में गणेशोत्सव की धूम, भक्ति के साथ सामाजिक संदेशों की गूंज

गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से अमरावती नगरी भक्तिमय हो उठी है. गणेश मंडलों द्वारा आकर्षक सजावट, विद्युत रोशनी, धार्मिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन और सामाजिक जनजागृति के विभिन्न उपक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. शहर के

ऐतिहासिक आझाद हिंद गणेशोत्सव मंडल ने इस वर्ष अपने 99वें वर्ष में प्रवेश किया है और यहां धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक सेवा की परंपरा भी जारी है. गणेशोत्सव के माध्यम से सामाजिक एकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक जागरूकता का संदेश देने पर भी जोर दिया जा रहा है. जिला प्रशासन की ओर से 16 से 24

सितंबर तक गणेश मंडलों के माध्यम से विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने के लिए लोकसंवाद-2026 अभियान भी चलाया जा रहा है. उत्सव के दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी सतर्क है. साथ ही ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नियमों का पालन करने की अपील की गई है. हाल ही में रविनगर में तेज आवाज में बैड बजाने पर पुलिस ने कार्रवाई भी की. गणेशोत्सव की यह भव्यता तभी सार्थक होगी, जब भक्ति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और आपसी भाईचारे का संदेश भी मजबूत हो. अमरावती में बप्पा की आराधना के साथ यही सकारात्मक भावना उत्सव को विशेष बना रही है.

अष्टविनायक गणेश मंडल द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा भक्तों को आकर्षित कर रही है. राजेश बनारसे, दक्ष बनारसे के साथ ही कॉलोनी के सभी भक्तों का सहयोग और साथ मिल रहा है. कई जगह शिंवर भी रखे गए हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

महत्वपूर्ण नंबरस

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
एसीबी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेंटर	1551
नागरिक काल सेंटर	155300
ब्लड बैंक	948004444

यूपीआई सेवा पर भी लगाया शुल्क

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर
नई दिल्ली-मंगलवार को केंद्र सरकार की तरफ से यूपीआई को लेकर नए फ्रेमवर्क बनाया गया, जिसे 15 अक्टूबर से लागू किया जाना है। सरकार के इस कदम के बाद से विपक्ष फैसले को वापस लेने का दबाव बना रहा है। इसी को लेकर बुधवार को सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कहा कि 2,000 से ज्यादा के फोन पे ट्रांजैक्शन पर फीस लगाने का फैसला वापस नहीं लिया जाएगा। जब फैसला लिया जा चुका है, तो उसे वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता।

नए फ्रेमवर्क में क्या है?

नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को एक नया फ्रेमवर्क पेश किया। इसके तहत 2,000 से अधिक के यूपीआई पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत का शुल्क या मचैट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागेगा। लेकिन 75 हजार रुपये से अधिक की

महंगाई से बेजार लोगों पर नई सरकारी मार, 15 अक्टूबर से होगा लागू



राशि के भुगतान के लिए शुल्क की अधिकतम सीमा 300 रुपये प्रति लेनदेन तय की गई है।

यूपीआई से महीने में एक लाख रुपये तक भुगतान लेने वाले छोटे दुकानदारों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लागेगा। रेलवे, बीमा, संचार और ईंधन जैसी चुनिंदा सेवाओं के लिए 2,000 रुपये से ऊपर के भुगतान पर सिर्फ पांच रुपये का फ्लैट शुल्क लागेगा।

नया ढांचा 15 अक्टूबर, 2026 से लागू होगा। उल्लेखनीय है कि व्यक्ति से व्यापारी को कुल लेनदेन में 2000 से कम के भुगतान की हिस्सेदारी करीब 95 प्रतिशत है।

क्या होता है एमडीआर?

एमडीआर एक छोटी सा शुल्क है जो दुकानदार बैंकों और पेमेंट कंपनियों को तब देते हैं जब कोई ग्राहक डिजिटल पेमेंट करता है। ग्राहक डिजिटल पेमेंट

सिस्टम के जरिये दुकानदार को पेमेंट करता है, और दुकानदार पेमेंट प्रोवाइडर को एक छोटी प्रोसेसिंग फीस देता है।

उदाहरण के लिए, 2000 रुपये के लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर आठ रुपये होता है। इसका भुगतान दुकानदार बैंक या पेमेंट प्रोवाइडर को करेगा, लेकिन ग्राहक यूपीआई का इस्तेमाल मुफ्त में करते रहेंगे। सरकार द्वारा लिया गया यह फैसला 15 अक्टूबर से लागू करने का फैसला किया है। महंगाई से त्रस्त लोगों के लिए यह अतिरिक्त शुल्क लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने के साथ ही सरकार के फैसले की निंदा करते हुए इसे वापस लेने के लिए दबाव बनाना शुरू किया है। लेकिन वरिष्ठ सरकारी सूत्रों के मुताबिक सरकार द्वारा लिया गया फैसला वापस लेने की मानसिकता नहीं दिखाई दे रही है। सरकारी कमाऊ नीति को लेकर उपभोक्ताओं में भी नाराजी है। इसे रद्द करने की मांग की जा रही है।

चांदी की थाली में ब्रिक्स नेताओं को दावत

नई दिल्ली- ब्रिक्स सम्मेलन में परोसी गई देश की सांस्कृतिक विविधता वैश्विक मेहमानों के लिए भारत ने अपनी समृद्ध और विविध खाद्य संस्कृति का अनुभव खजाना खोल दिया है। इस भव्य आयोजन में दुनिया भर से पहुंचे राष्ट्राध्यक्षों और मेहमानों की थाली में भारत के कोने-कोने की खास क्षेत्रीय डिशों के साथ-साथ हमारी पारंपरिक माटी की महक वाले 'श्री अन्न' (मोटे अनाज/मिलेट्स) को विशेष रूप से परोसा जा रहा है। आइटीसी होटल्स के महाप्रबंधक रजनीश मल्लर और कॉरपोरेट शोफ मनीषा भसीन ने इस विशेष भोज की तैयारियों को पीछे की अनूठी कहानियों को साझा करते हुए बताया कि कैसे यह मेनु भारत की आतिथ्य परंपरा को वैश्विक मंच पर जीवंत कर रहा है। राजमा, दम आलू बनारसी और बाजरा-रागी के लजीज व्यंजन रजनीश मल्लर ने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए तैयार किया गया यह क्यूरेटेड मेनु भारत की पाक कला की अद्भुत विविधता को दर्शाता है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्वाद को शामिल किया गया है, जिसमें 'राजमा' और 'दम आलू बनारसी' जैसे प्रसिद्ध व्यंजन विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

श्री चौधरी

कैटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो. ८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विवाह वस्त्र...

- बनारसी शालू
- लकड़बस्ता
- घाघरा ओढणी
- लाछा
- डिझाईनर साड्या
- सलवार सुट
- कुर्ती
- ९ वारी पातळे

मंगल मंगलम्

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. २५७२६७२, २५६४१७२



पाकी जहाज ने दी भारतीय टक्कर

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर
नई दिल्ली- उत्तरी अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना के एक जहाज की टक्कर भारतीय नौसेना के जहाज से हो गई। भारतीय जहाज एक स्टीन मिशन पर था, तभी तेजी से आते हुए पाकिस्तानी नौसेना के जहाज ने उसके पास पहुंचकर टक्कर मारी। भारतीय नौसेना के सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी जहाज ने गैर-पेशवर और असुरक्षित तरीके से हरकत की, जिससे टक्कर हुई, हालांकि, किसी नुकसान की खबर नहीं है। नौसेना के एक अन्य सूत्र ने कहा कि यह घटना आपसी सहमति से तय किए गए विश्वास बहाली के उपायों के खिलाफ है, इसलिए इस मुद्दे पर कूटनीतिक स्तर पर उठाया गया है। विदेश मंत्रालय ने इस घटना को लेकर पाकिस्तान के राजनयिक प्रतिनिधि को तलब किया है और इस्माबाद में भारतीय 'चांज' डी अफेयर्स को भी निर्देश दिया है कि वहां की सरकार के सामने यह मुद्दा उठाएं। 2011 के बाद से यह ऐसी दूसरी घटना है। उस समय भी

पाकिस्तानी युद्धपोत बाबर ने उत्तरी अरब सागर में भारतीय नौसेना जहाज के जहाज को टक्कर मारी थी। चीन की तरह ही पाकिस्तान द्वारा की गई इस हरकत को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। **समुद्र में टक्कर मारना-**समुद्र में युद्ध की रणनीति के तौर पर टक्कर मारना उतनी ही पुराना है जितना कि खुद नौसैनिक युद्ध। नौसैनिक रैमिंग का इतिहास बहुत पुराना है। रोमन और ग्रीक दोनों ही इसे एक मुख्य हथियार के तौर पर इस्तेमाल करते थे। रोमन लोग अपनी गैली (नौकाओं) में 'रोस्ट्रम' टक्कर मारने वाला हिस्सा लगाता थे, और ग्रीक लोगों ने खास तौर पर इस रणनीति के लिए 'ट्राइरीम' बनाई थीं। बड़े युद्धपोतों के बीच रैमिंग का पहला आधुनिक उदाहरण अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान 1862 में हैम्पटन रोड्स की लड़ाई में देखने को मिला, जब कॉन्फेडरेट सेना के बख्तरबंद जहाज वर्जीनिया ने यूनियन सेना के फ्रिगेट कंबरलैंड को टक्कर मारी और तेजी से डुबो दिया।



गुरुवार 17 से 23 सितंबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है. गणेशोत्सव के साथ अन्य पर्वों की खुशियां सदा प्रसन्न करेंगी. नाहक किसी से विवाद से बचें. माता-पिता तथा बुजुर्गों का आशिर्वाद चमत्कारी लाभ देने वाला है. पूरा सप्ताह खुशियों से भरा रहेगा. गणेशजी की आशिर्वाद इस सप्ताह आपको मिलेगा. वाहन धीरे से चलाएं.

मेघ-काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी. कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादों को आसानी से कम नहीं कर पाएगी. आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे. जीवन में खुशियां बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा.

वृषभ-आपका खुशामिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा. इन्वेस्टमेंट के कई अच्छे ऑप्शन सामने आ सकते हैं, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले उसके फायदे और....

मिथुन-अपने जूनियर्स और

कलीग्स की हिम्मत बढ़ाने से उनकी काबिलियत बढ़ेगी और आप पर उनका भरोसा और मज़बूत होगा. अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज़्यादा ख़ुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे.

कर्क-आपको काम की जगह पर कोई ज़िम्मेदार पद या ज़रूरी ज़िम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा. बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा.

सिंह-अपनी टीम को साफ़ तौर पर काम करने के लिए मोटिवेट करने से काम करने की क्षमता बढ़ेगी और काम अधूरा रहने की संभावना कम होगी. घर पर आपकी मौजूदगी आपके बच्चों के साथ-साथ परिवार को भी सुरक्षा और कॉन्फिडेंस देगी.

कन्या-इस हफ़्ते आपकी काबिलियत साफ़ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौकों मिल सकते हैं. घर पर अपनी राय बहुत ज़्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तला-अच्छी सेहत आपको पूरे हफ़्ते एनर्जेटिक और पॉज़िटिव रखेगी. आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौकों का रास्ता बनाएगी. घर

पर बहुत ज़्यादा सख़्त या बेसब्र....

वृश्चिक-काम पर नए प्रोजेक्ट या ज़िम्मेदारियाँ आपको काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौका देंगी. परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी. आपकी मज़बूत फ़ाइनैशियल स्थिति....

धनु-कड़ी मेहनत और पॉज़िटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे. घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हेंडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे. इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा.

मकर-काम की जगह पर एक ऑर्गनाइज़्ड, फेयर और सपोर्टिव माहौल आपको अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए इन्सपयर करेगा. अपनी चिंताओं और भावनाओं को अपने परिवार के साथ खुलकर बताने से रिश्ते बेहतर हो सकेंगे.

कुंभ-अपनी टीम के सदस्यों के छोटे से छोटे योगदान की भी सराहना करने से आपसी विश्वास बढ़ेगा और सभी का मनोबल बढ़ेगा. घर में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन सहयोग की भावना रखने से सब कुछ संभव होगा.

मीन-सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मज़बूत करेंगे और काम में तेज़ी लाएंगे. निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना करता है.



बचा भोजन फेंकने की बजाय जरूरतमंदों तक पहुंचाकर पुण्य कमाएं-प्रमोद पांडे

एम.एच.-27 एटीएस ग्रुप का नागरिकों से आग्रह, स्वस्थ वातावरण के लिए मांगा सहयोग

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर अमरावती- यह कितनी बिडंबना है कि एक ओर देश में 20 करोड़ लोगों को दो जून का भोजन नसीब नहीं होता है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर अन्न का सत्यानाश किया जाता है. इससे जहां अन्न का अपमान होता है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण के लिए भी यह खतरा रहता है, इसको ध्यान में रखते हुए एमएच 27 एटीएस ग्रुप द्वारा पहल की गई है. अन्न की आवश्यकता व कद्र, किसानों के सम्मान तथा स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण के उद्देश्य से एम.एच.-27 एटीएस ग्रुप ने नागरिकों से त्योहारों के दौरान बचा हुआ भोजन कहीं भी न फेंकने की अपील की है. इसके लिए प्रमोद पांडे (मो. 9370345599, 8975526968, 9372523433) से

संपर्क करने का आह्वान किया गया है. श्री गणेश स्थापना, ऋषिपंचमी, महालक्ष्मी, नवरात्रि सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में श्रद्धा और स्नेहभाव से आयोजित भोजन, प्रसाद एवं महाप्रसाद में यदि भोजन बच जाता है और वह मानव के खाने योग्य है, तो उसे जरूरतमंदों में वितरित किया जाता है. वहीं, यदि भोजन खाने योग्य नहीं रहता, तो अन्नदाता नागरिकों की उपस्थिति में श्रद्धापूर्वक धरती माता को अर्पित किया जाता है. ग्रुप की ओर से कहा गया कि अन्न की कद्र, किसान का सम्मान और स्वच्छता के लिए यह पहल लगातार चलाई जा रही है. शेष भोजन का क्या किया जाए, इसे लेकर किसी नागरिक को परेशानी हो तो दिए गए मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने की अपील की गई है.

इस उपक्रम के लिए किशोर कडू, अमोल आगाशे, दीपक कोल्हे, सुमित डाहाणे, प्रा. प्रविण गुल्हाने, प्रा. समीर चौधरी, आनंद केने, जयश्री निंभोरकर, अनिरुद्ध क्षीरसागर, संगीता गजभिये, मिलिंद सराफ, अंजली पांडे, छाया कडू, वासुदेव अवसरे, प्रा. सुधीर केने सहित अनेक नागरिकों ने अपील की है.

विशेष रूप से, स्वस्थ एवं स्वच्छता संबंधी इस उपक्रम के लिए अमरावती मनपा के दस्तूर नगर एवं राजापेट जोन कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्वच्छता विभाग की ओर से हरसंभव सहयोग किया जाता है. ग्रुप द्वारा वर्ष भर इस तरह के आदर्श उपक्रम चलाए जाते हैं. इससे पहले खंडित लक्ष्मी तथा देवी-देवताओं की कहीं भी फेंक दी गई मूर्तियों को एकत्रित कर उनका विधि विधान से विसर्जन करने का उपक्रम भी ग्रुप ने चलाया था, जिसकी सर्वत्र सराहना हुई थी.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर,
नेहरू
मैदान, अमरावती. फोन
2564125, 2674048



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबें, रजिस्टर, नोटबुक, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें, बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

—संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सी. विष्णा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रद्धांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199 / 8855019189

समर्पित, कर्मठ पत्रकार अमोल खोडे का देहांत, मीडिया में शोक

विदर्भ स्वाभिमान, 16 सितंबर

अमरावती- शहर के साथ ही जिले की पत्रकारिता के लिए बुधवार 16 सितंबर का दिन निश्चित ही दुःखद दिन था, जब समर्पित, कर्मठ और मेहनत के साथ ही संघर्षों से जीतकर पत्रकारिता क्षेत्र में अपना अलग स्थान बनाने वाले अमोल सुभाषराव खोडे के देहांत की खबर मिली तो किसी को भी विश्वास नहीं हुआ. 42 वर्षीय अमोल खोडे स्पष्ट और पत्रकारिता क्षेत्र में निर्विवाद व्यक्ति के साथ ही स्वयं का स्थान बनाया था. बोलने में स्पष्टता जहां खूबी थी, वहीं जुझारू व्यक्तित्व किसी को भी प्रभावित करता था. अमरावती में स्थानीय चैनल में वर्षों तक सेवा देने के अलावा अमोल ने प्रमुख अखबारों में भी महत्वपूर्ण सेवाएं दी. गलत को बिना किसी तरह की चापलूसी के गलत कहने की हिम्मत जहां सराहनीय थी, वहीं अपनों के लिए तथा प्रेम करने वालों के लिए छोटे भाई के समान था. बचपन से ही अथक मेहनत करने वाले अमोल खोडे की सबसे बड़ी



खूबी यह थी कि स्थितियां चाहे कैसी भी हों, वह अपने स्वाभिमान के मामले में कभी समझौता करने के मूढ़ में नहीं रहते थे. मेरे साथ हम दो साल से अधिक समय तक दैनिक भास्कर में सहयोगी के रूप में काम करने के दौरान उसकी काम करने की शैली, खबरों के चयन की खूबी, किसी विषय पर पूरी मेहनत कर उसे बेहतरीन बनाने की खूबी के साथ ही वन विभाग जैसे कठिन क्षेत्र की पत्रकारिता करने की विशेष योग्यता उसमें ही रहने की बात कहना गलत नहीं होगा. उन्होंने पत्रकारिता क्षेत्र में अपनी ईमानदार और सिद्धांतवादी छवि को जहां बरकरार रखा, वहीं कभी किसी के सामने नहीं झुकने और सच को सच बोलने की ताकत उन्हें भीड़ में भी सदैव हटकर चेहरा बनाती है. बुधवार को मेरे स्वयं के काम करते समय जैसे ही अमोल के देहांत की खबर पता चली, आंखों से आंसू निकल आए. बड़े भाई के रूप में सदैव सम्मान देने के साथ ही खबरों के लिए कुछ भी करने का उनका जज्बा निश्चित ही इस क्षेत्र का भाग्य था. भागवान अमोल की आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और बेटी तथा पत्नी को यह आघात सहन करने की शक्ति दें, यही प्रभु चरणों में कामना.



ब्रिक्स में शामिल विश्व के कई नेता बीमार पड़ने का दावा किया खारिज

नई दिल्ली- भारत में गत दिनों सम्पन्न दो दिवसीय ब्रिक्स सम्मेलन जहां सफलता के लिए याद किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर इसमें शामिल नेताओं की तबियत खराब होने की मीडिया खबरों को विदेश मंत्रालय ने गंभीरता से लिया है. विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह झूठी खबर है और इसमें किसी तरह का तथ्य नहीं है. मंत्रालय प्रवक्ता के

मुताबिक इस तरह की झूठी खबरें देकर देश को बदनाम करनेवालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा सकती है. विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जारी उस पोस्ट को खारिज किया है जिसमें दावा किया गया है कि नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद विश्व के कई नेता बीमार पड़ गए. भ्रामक पोस्ट के खिलाफ चेतावनी दी है.

भारतीय निर्यातकों को सताने से बाज नहीं आ रहा चीन, चावल लौटाया

नई दिल्ली- भारत और चीन के लंबा व्यापारिक इतिहास रहा है, लेकिन पिछले कुछ सालों से चीन की ओर से लगातार भारतीय निर्यातकों को अलग-अलग बहाने बनाकर उन्हें बैन या सस्पेंड किया जा रहा है. अब एक बार फिर से चीन ने भारत के 3 और चावल निर्यातकों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है. इनमें आंध्र प्रदेश की सरला फूड्स, पड़मि एग्रो फूड्स और दिल्ली की ओम इंडिया ट्रेडिंग लिमिटेड शामिल हैं. इसके साथ ही चीन की ओर से प्रतिबंधित भारतीय चावल निर्यातकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है.

हालांकि भारतीय निर्यातकों का कहना है कि चीन तकनीकी मानकों के नाम पर गैर-टैरिफ बाधाएं खड़ी कर रहा है, जिससे भारतीय चावल की पहुंच उसके बाजार में कम हो रही है.

जांच में नहीं मिला तथ्य- चीन की ओर से पहले भी चावल की खेपों



को लौटाया जा चुका है, जिसके बाद जांच और निर्यात का पैरामीटर और अधिक सख्त कर दिया था, लेकिन चीन बार-बार बहाना बनाकर एक्सपोर्ट्स को सस्पेंड कर रहा है. राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष मकेश जैन ने कहा कि चीन की ओर से जिन चावल खेपों को ब्रम्प मौजूदगी बताकर लौटाया गया था, उनकी भारत में जांच कराई गई. जांच में चावल की गुणवत्ता खराब रहने का कोई प्रमाण नहीं मिला. उन्होंने कहा कि बाद में इन्हीं खेपों को दूसरे देशों में निर्यात किया गया, जहां भी क्वालिटी चेक में कोई समस्या नहीं पाई गई.

वाढदिवसाच्या आभाळभर शुभेच्छा.

आपल्या सर्व इच्छा आकांक्षा,
इच्छित मनोकामना पूर्ण होवोत आणि
आपणास निरामय आरोग्य लाभो
हीच ईश्वर चरणी प्रार्थना.



शुभेच्छुक- डॉ. राजेश शर्मा मित्र
परिवार, शर्मा हास्पिटल के सभी
कर्मचारी तथा ऑपेथर मेडिकल एवं
विदर्भ स्वाभिमान, परिवार, अमरावती.



विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

क्रलयुग का प्रताप सर्वत्र दिखाई देता है. चमचे, चापलूस, दिन भर में हजारों झूठ बोलने वालों की प्रगति कई बार मुझे खटकती है. यह जीवन में अपने सिवाय कभी किसी का भला नहीं सोचने के बाद भी इनकी सम्पन्नता निश्चित तौर पर मुझ जैसे संवेदनशील व्यक्ति को खटकती है. लेकिन कहते हैं कि प्रभु अपने ही भक्तों की परीक्षा लेते हैं और दुर्बुद्धि रखने वालों को समय पर दंड देते हैं. मेरा भी विश्वास मेरे परमात्मा पर सदैव रहता है. वह मेरे लिए जो भी करेंगे निश्चित ही मेरी सोच से भी अच्छा करेंगे, इसका मुझे सदा विश्वास रहता है.

सुभाष दुबे संपादक www.vidarbhswabhiman.com